आपसी धार्मिक जयवायु परिवर्तन बयान

(कृपया ध्यान दें कि उच्च स्तर पर धार्मिक नेताआं के वक्तव्य के तहत सीधे हस्ताक्षर करेंगं। वेबसाइट में सूचीबद्द अन्य क्षेत्रों मे प्रवेश करें। वक्तव्य और उसके हस्ताक्षर के सभी संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष के लिए अधिकरीक तौर पर प्रस्तुत किया जाएगा। डेनमार्क के एच.ई. मोगेन लीकटोफट १८ अप्रेल २०१६.)

(प्रारुप) धार्मिक और अध्यामिक नेताओं के बयान पेरिस समझौते के लिए संयुक्त राष्ट्र महासचिव के उच्च स्तर हस्ताक्षर समारेह के अवसर पर

१८ अप्रेल २०१६

२२ वें अप्रैल २०१६ को संयुक्त राष्ट्र मख्यालय में पेरिस समझौते पर हस्ताक्षर करने की रस्म से पहले, धार्मिक और अध्यात्मिक नेताओं के रुप में हम एकजुट होके राज्य के सभी प्रमुखो से आग्रह करते है की वे तुरंत हस्तक्षार और पेरिस समझोते पर पृष्टि करें।

पृथ्वी की देखभाल हमारी साझा जिम्मेदारी है। हम में से हर एक को एक "कार्य करने की नैतिक जिम्मेदारी है" यह शक्तिशाली बयान पोप के एनसाईकलकिल और जलवायु परिवर्तन के बयान में बौध्द, इसाई, हिंदु, मुस्लिम, सिख और अन्य धार्मीक नेताओंने दिया है। हमारे ग्रहने पहले से ही वातावरण में ग्रीन हाऊस गेसो के सुरक्षित स्तर को परित कर दिया है। जब तक इन स्तर पर तेजी से कम नही होते। हम जीवन के असंख्य लोग और सभी प्रजातियों कों गंभीर खतरे मे डाल रहे है और इससे एक अपरिवर्तनीय प्रभाव पढ रहा है। आगे की चुनौतियों के लिए इमानदारी और साहस की आवश्यकता है और हमे उत्सर्जन को कम करने के लिए कारवाई करनी चाहिए।

मानवता एक महत्वपूर्ण मोड पर है। हम विश्वास समुहाये समझते है कि हमे जीवश्म ईधन प्रदुषण से दुर साफ अक्षय उर्जा स्त्रोतो की ओर एक संक्रमण शुरु करना होगा। यह स्पष्ट है की कई महत्वपुर्ण लोगो ही जीवन शैली में एक महत्वपुर्ण परिवर्तन होगा। हमें उपभोक्तावाह की संस्कृती जो हमारे लीए और हमारे ग्रह के लिए विनाशकारी है उनके विकल्प के लिए प्रयास करना चाहिए।

अभुतपुर्व आम सहमति पेरिस समझौते की गोद में परिणाम स्वरुप, विश्वास समुदायों दुनिया भर से स्वागत किया और कम कारबन की दिशा मे एक नया रास्ता और वैश्विक अर्थव्यवस्था की जलवायु परिवर्तन खोल दिया है। सभी राष्ट्रो व्दारा वैश्विक सहयोग सबूत है कि हमारे साझा मुल्यों हमारे मतभेद से ज्यादा महत्वपुर्ण है और यह दर्शाता है कि सामुहिक जिम्मेदारी सभी देशों और समाज व्दारा साझा की भावना कही अधिक लापरवाही और कुछ के लालच से अधिक शक्तिशाली है।

हम पेरिस समझोते और महत्वाकांक्षी कार्यान्वय के लिए और अन्य सभी COP २१ में अपनाया फैसले के हमारे समर्थन में एकजुट हो रहै है। १.५ C लक्ष्य को प्राप्त करने केलिए, सरकारों २०२० से पहले जलवायु कारवाई में तेजी लाने चाहिए और भी बहुत (NDCs) भविष्य राष्ट्रिय स्तर पर निर्धारित अंशदान की महत्वाकांक्षा के स्तर बढाने, तेजी से उन्हें राष्ट्रिय

नीतियों, कानुन और कार्यक्रमों मे परिवर्तित होना चाहिए। इन प्रतिबद्दताओ बढती महत्वकांक्षा कैसे २०५० तक हमारे समाज और अर्थव्यवस्था को बदलने केलिए और स्पष्ट रुप से राष्ट्रीय विकास योजनाओं में एकीकृत राष्ट्रिय नीयमों में उल्लिखित से परिभाषित किया जाना चाहिए। हम २०२० तक वैश्विक उत्सर्जन का बढता के महत्व को पहचनना, और सभी जीवांश्म ईंधन सब्सिडी से बाहर तेजी से चरणबद्द और २०५० तक १०० फिसदी अक्षय उर्जा के लिए एक संक्रमण करना चाहिए। अंत में, हम ध्यान कि वित्त का बढना, विशेष रुप से अनुकुलन और नुकसान और क्षति केलिए के बार में अधिक प्रगति की है, हम कमजोर देशों में बहेतर मदद, जलवायु प्रभावो केलिए तैयार है और एक सुरक्षित, शुन्य कार्बन भविश्य के लिए हमारी परिवर्तन मे हम सभी मदत आवश्यक है।

जयलवायु परिवर्तन आध्यात्मि नवीकरण, का पथ गहरी जागरुकता और अधिक से अधिक से अधिक परिस्थितिक कारवाई से परिभाषित के पथ पर लगना करने केलिए अवसर के हमारे वैश्विक परिवार प्रस्तुत करता है। सभी जीवो की रक्षा और देखभाल हमे एक दुसरे से जोडता है और हमारे जीवन के आध्यात्मिक आयाम को मजबुत बनाने केलिए काम करता है। हमे पृथ्वी पर हमारे आपसी संबंध की वास्तविक प्रकृती पर प्रतिबिंबीत करना चाहिए। यह हमे हमारी इच्छासे शेषण करने केलिए एक संसाधन नही है, यह एक पवित्र विरासत और एक अमुल्य घर है जीसकी हमे रक्षा करनी चाहिऐ। साझा आशा से संयुक्त जो विश्वास से पैदा होती है, हम अधोहस्ताक्षरी का मानना है की हमारे साधन और इच्छा से पृथ्वी की देखभाल और जीवन और यह कार्यवाही के रुप में प्रकट हो जाएगा और राजनीतिक नेतोओं पेरिस में किए गए वादों की पुष्टि की जाएगी। और इस तरह इस पीढी के अधिक से अधिक वादोंकी रक्षा की जाएगी।

इसलिए हम :

- सरकारो से आग्रह करते है की तेजी से इस पर हस्ताक्षर करने की पुष्टि और पेरिस समझोते को लागु करने और प्रतिज्ञाओं को बढाने के लिए पुर्व औद्योगिक स्तर से उपर १.५ C करने केलिए वैश्विक तापमान वृध्दि को ध्यान में रखते हुए उत्सर्जन को कम करे।
- तेजी से बढते हुए उर्त्सजन में कमी जो २०२० तक बढता जा रहा है और १.५ C सीमा में रखने केलिए जोर देते है।
- हम इस बात पर जोर देते है की वित्त का अधिक से अधिक प्रवाह विशेष रुप से रुपांतरणं केलिए और नुकसान और क्षति हुए को देना चाहिए।
- सभी जीवश्म ईंधन सब्सिडी और २०५० तक १०० % अक्षय उर्जा केलिए जीवश्म ईंधन से संक्रमण से बाहर स्विफट चरण का आग्रह करता हु।
- विश्वास समुदायो का प्रोंत्साहित करते है की वे अपने पुजा के घरों, कार्यस्थलो और केंद्रो में उत्सर्जन कम करने मे समर्थन करे और पहले से ही जलवायु परिवर्तन से प्रभावित के साथ एक जुटता में खडे रहे।
- आग्रह है की जीवाश्म ईंधन मे विनिवेश और नवीकरणीय उर्जा और कम कार्बन समाधान में पुनर्निवेश करे और हमारे अपने समुदाय के भीतर भी शामिल करें, और/या जलवायु परिवर्तन पर कंपनीयों को संलग्न करें।

हस्ताक्षर कर्ता

नाम	पद	सहबध्दता	देश